|  |
| --- |
| **Que ansíe yo siempre tu rostro (San Agustín, De la Santísima Trinidad, XV, 28, 51)**  *Felipe Vicencio Álvarez* |
| Que ansíe yo siempre tu rostro con ardor, dame fuerzas para la búsqueda, tú que hiciste que te encontrara, tú que me has dado esperanza de conocerte mejor.  Señor y Dios mío, mi única esperanza, óyeme para que no sucumba al desaliento y deje de buscarte…, y deje de buscarte.  Ante Ti está mi firmeza y mi debilidad: sana mi debilidad y confirma mi firmeza.  Si me abres, recibe al que entra; si me cierras, abre al que llama. Haz que me acuerde de Ti, que te comprenda y te ame.  Acrecienta en mí tus dones hasta mi reforma más completa. mi alma está llena de deseo. To do lo que soy, lo que yo puedo, lo que yo sé: te lo entrego, Señor. |
| **Intro:**   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Am** s | | | **Ab(aug)**  C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML152f8ea.PNG | | | | **Gm** | | | **D(sus2)/F#** | | | | **D(sus2)/F**C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML1548288.PNG | | | | | **Am(add9)** | | | **Fmaj13(omit5)** | | | | **Dm7** | **E/D** | **Dm7** | | **E/D**  C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML158771b.PNG | | **Am** | | |  | | | | **Ab(aug)**  C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML152f8ea.PNG | | | | | **Gm** | | | | | **D(sus2)/F#** | | | | **D(sus2)/F**C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML1548288.PNG | | |  | | | | | |  | | | Que ansíe | | | | yo siem | | | | | pre tu | | | | | rostro | | | | con ardor, | | | | | | | | | **Dm/E**C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML15cf89b.PNG | | |  | | | | | | | | **Am(add9)** | | | | | | **Am/G** | | |  | |  | | | | | | | | dame fuerzas para la búsque - da, | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **Fmaj7(#11)** | | |  | | | | | | | | | | | | **Cmaj7** | | |  | | | | | | |  | | | | |  | tú que hiciste que te encon | | | | | | | | | | | | | | trara, | | | | | | | | | | | | | | | **Fmaj7(#11)** | | |  | | | | | | | | | | | **Cmaj7** | | |  | | | | | | | | | | | | |  | tú que me has dado espe | | | | | | | | | | | | | ranza | | | | | | | | | | | | | | | |  | | | **Dm** | |  | | **Dm(omit5)/E** | | | | | **E** | | | |  | | | | | | | | | | | | | | de conocerte mejor. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **Am** | | | **Ab(aug)**  C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML152f8ea.PNG | | | | |  | | | | **Gm** | | | | | **D(sus2)/F#** | | | | | | **D(sus2)/F**  C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML1548288.PNG | | | |  | | | Señor | | |  | | | | | y Dios mío mi | | | | | | | | | única espe | | | | | | ranza | | | | | | | **Dm/E**  C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML1639a8b.PNG | |  | | | | | | | | | | | | | | | | **Am(add9)** | | | **Am/G** | |  | | | |  | | | óyeme para que no sucumba al desalien - to | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **F** | | | |  | | **Dm** | | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | | | y deje de buscarte… | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **Ddim/E**C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML166a1ff.PNG | | |  | | | | | | **Am** | | | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | y deje de buscarte. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **F#m** | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | | | | |  | | | | | | **Bm** | | | | | |  | | | | | | | | | | | | |  | | | Ante Ti están mi firmeza y mi debilidad: | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | | | | | | | | **C#7** | | | | | | | | | | |  | | | | | | | | | | | | |  | | | |  | | | | | | |  | | | sana mi debili | | | | | | | | dad | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | | | | | | | | | | | **F#m** | | | | |  | | **E(sus4)** | | | | **E** | | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | y confirma mi fir | | | | | | | | | | | meza | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | **A** | | | | |  | | **C#m/G#** | | | | | | |  | | **F#m** | | | | | | **F#m7/E**  C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML174b034.PNG | | | | | | |  | | | | | | | | | | | | | | | | Si me abres, recibe al que | | | | | | | | | | | | | | | | | entra; | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | | | | **D** | | | | | **C#m** | | | | | **Bm** | | | | **Bm7/A** | | | | |  | | | | | | | | **E(sus4)** | | | | | | **E** | | |  | | | | | | si me cierras, | | | | | | | | | |  | | | | | | | |  | | | | | abre al que llama | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **D** | |  | | | | | | **E** | | | | |  | | **A** | | | | | **C#m/G#** | | | | **F#m** | | | | | **F#m7/E**  C:\Users\EDUARD~1\AppData\Local\Temp\SNAGHTML174b034.PNG | | | | |  | | | | | | | | | | | | Haz que me acuerde de Ti, | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **D** |  | | | | | **C#m** | | | | | | **Bm** | |  | | | **Bm7/A** | | | | |  | | **E(sus4)** | | | | | | **E** | | | |  | | | | | | | | | | | | que te comprenda | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | y te ame. | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **A** |  | | | | |  | |  | | | | | | **D/A** | | | | | | | | | | | | | **Bm** | | | | | | | **E(sus4)** | | | | | | | | **E** | | | | | | |  | Acrecienta en mí tus dones hasta | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | mi reforma más completa | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **D** | | | |  | | | |  | | | | | |  | | | | **C#m** | | | | | | | | |  | | | |  | | | | | |  |  | | | | | | | | | | |  | | | | mi alma está llena de deseo | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |  | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **Bm** | |  | | | | | | | | | | **C#m** | | | | | | | | | | **D** | | | | | **C#m** | | | | | **Bm** | | |  | | | | | | **Bm7/A** | | | **E(sus4)** | | | **E** | |  | | To do lo que soy, lo que yo | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | puedo, | | | | | |  | | | | | | | lo que yo | | | | | | sé | | | | | | | |  | | | | |  | | | | | | **A** | | | | **B(add4)/A** | | | | | | | | | | | **Bg(#11)/A** | | | | | | | | | **A** | | | |  | | | | | | |  | | | Te lo entrego Se | | | | | | | | | | | ñor | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |